Std-2

ईमानदारी का फल

शब्दार्थ

खूब - बहुत

दुखी- उदास

लकड़ियों का गट्ठर - लकड़ियों का बोझा

कुल्हाड़ी - लकड़ी काटने का औज़ार

लकड़हारा - लकड़ी काटने वाला

दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:-

1.लकड़हारा अपना गुज़ारा कैसे चलाता था?

उत्तर:-लकड़हारा अपना गुज़ारा जंगल से लकड़ियाँ काटकर व उन्हें बाज़ार में बेचकर चलाता था।

2.लकड़हारे की कुल्हाड़ी नदी में कैसे गिर गई?

उत्तर:- एक दिन लकड़हारा अपने गट्ठर के भारी बोझ के कारण लड़खड़ा गया, जिससे गट्ठर के ऊपर रखी कुल्हाड़ी नदी में गिर गई।

3. लकड़हारे ने सोने और चाँदी की कुल्हाड़ी लेने से क्यों इनकार कर दिया?

उत्तर:- लकड़हारा ईमानदार था। वह केवल अपनी कुल्हाड़ी लेना चाहता था ,इसलिए उसने सोने और चाँदी की कुल्हाड़ी लेने से इनकार कर दिया।

4. लकड़हारा दुखी क्यों हो गया?

उत्तर:- लकड़हारे की कुल्हाड़ी नदी में गिर गई थी जिससे वह लकड़ियाँ काटकर उसे बेचकर अपना घर चलाता था, इसलिए लकड़हारा दुखी हो गया।

5.वह अपनी कुल्हाड़ी देखकर खुशी से क्यों उछल पड़ा?

उत्तर:- लकड़हारा लालची नहीं था।उसकी कुल्हाड़ी लोहे की थी, जिससे वह लकड़ियाँ काटता था इसलिए वह अपनी कुल्हाड़ी देखकर खुशी से उछल पड़ा।

6. जलपरी ने लकड़हारे को तीनों कुल्हाड़ियाँ क्यों दे दी?

उत्तर:- जलपरी ने लकड़हारे की ईमानदारी से प्रसन्न होकर उसे तीनों कुल्हाड़ियाँ इनाम में दे दी।

भाषा संसार:--

प्रश्न 1:- दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखो–

कुल्हाड़ी - कुल्हाड़ियाँ

लकड़ी - लकड़ियाँ

नदी - नदियाँ

खुशी - खुशियाँ

परी - परियाँ

लड़की - लड़कियाँ